वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

कृषि-मौसम प्रक्षेत्र इकाई, वानिकी महाविद्यालय

रानीचौरी- 249199 टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर: 01376-252 150

कृषि-मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन, जनपद - टिहरी गढ़वाल

√ उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

√ निदेशक, मौसम केंद्र, देहरादून

√ कृषि एकांश, आकाशवाणी, नजीबाबाद

√ हेंवलवाणी सामुदायिक रेडियो, चम्बा, टिहरी गढ़वाल

वर्ष: 23 अंक: 03 बुलेटिन अवधि:- 09 से 13 जनवरी, 2019 **दिन:- मंगलवार दिनांक :- 08 जनवरी, 2019**

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केंद्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखंड के टिहरी जनपद में आगामी पांच दिनों निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

मौसम प्राचल	मौसम पूर्वानुमान अवधि				
	09-01-2019 (08 जनवरी सुबह 08:30 बजे से 09 जनवरी सुबह 08:30 बजे तक)	**10-01-2019** (09 जनवरी सुबह 08:30 बजे से 10 जनवरी सुबह 08:30 बजे तक)	**11-01-2019** (10 जनवरी सुबह 08:30 बजे से 11 जनवरी सुबह 08:30 बजे तक)	**12-01-2019** (11 जनवरी सुबह 08:30 बजे से 12 जनवरी सुबह 08:30 बजे तक)	**13-01-2019** (12 जनवरी सुबह 08:30 बजे से 13 जनवरी सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**03 मिमी. (हल्की)**	**10 मिमी. (मध्यम)**
आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)	साफ आसमान (0 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	कुछ भाग में (3 ओक्टा)	मुख्यतः बादल (6 ओक्टा)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	11	11	12	11	10
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	1	1	2	3	2
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	85	80	80	85	85
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	45	40	40	45	45
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	6	8	8	6	6
वायु की दिशा	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पूर्व	पूर्व

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (02 से 08 जनवरी, 2019 सुबह 08:30 तक)**;** आसमान में मध्यम से मुख्यतः बादल छाए रहने के साथ 7 जनवरी को 3 मिमी. वर्षा दर्ज की गई| दिन का अधिकतम तापमान 8.6 से 11.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान -2.0 से 2.2 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 57 से 99 प्रतिशत तथा अपराह्न 14:16 बजे को 54 से 71 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.0 से 5.1 किमी॰ प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली|

फसल	**अवस्था**	**फसल**	**अवस्था**
गेहूं, जौ, मसूर, सरसों	CRI/कल्ले बनना	**प्याज, लहसुन**	पौध
राई, पालक, मेथी, धनिया	वानस्पतिक बढ़वार	**तोरिया**	फली बनना/परिपक्वता
फूल गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी (घाटी क्षेत्र)	पौध/बढ़वार	**माल्टा**	परिपक्वता

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह

- 11-12 जनवरी को बादल छाये रहने के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की सम्भावना है| किसानों को सलाह है कि मध्य ऊँचाई क्षेत्रों में मटर, मेथी, जीरा, बांकला, धनिया की बुवाई कर सकते हैं|
- परिपक्व तोरिया, सब्जी फसल, माल्टा फल आदि की तुड़ाई/कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें| फसलों में सिंचाई व रसायनों का प्रयोग कुछ दिनों के लिए टाल दें|
- प्याज पौध को फफूंदनाशक *(बाविस्टीन)* से जड़ शोधन पश्चात उचित दूरी पर रोपाई करें। पौधों को छोटी क्यारियों में रोपाई करें।
- सरसों की फसल में विरलीकरण तथा खरपतवार नियंत्रण का कार्य करें।
- गोभी फसल में नमी संरक्षण हेतु जैविक पलवार को पंक्तियों के बीच बिछा दें|
- माल्टा/नीबूं (खटाई) के परिपक्व फलों की तुड़ाई पश्चात श्रेणीकृत कर विपणन करें| फलों का रस निकालकर स्क्वाश आदि बनाने के लिए प्रति लीटर स में 1 ग्राम KMS (पोटेशियम मेटाबाई सल्फाइड) मिलाकर संरक्षित करें|
- सेब, नाशपाती, अखरोट आदि के लिए नया बगीचा स्थापित करने के लिए गड्डा खुदाई कार्य शीघ्र पूर्ण करें|
- शीतोष्ण फल पौधों में ग्राफ्टिंग (कलम) कार्य करें| सेब के मूलवृंत (Root stock) तैयार करने हेतु बीज बुवाई करें|
- छोटे फल पौध को पाले से बचाने के लिए लकड़ी/घास-फूस से ढक कर रखें|
- ठण्ड के मौसम में मधुमक्खी मौनगृह से बाहर कम निकलती हैं अतः मौनगृह में कृत्रिम भोजन की व्यवस्था रखें|
- मुर्गी बाड़े के अंदर बल्ब जलाकर रखें व बिछावन को एक दिन में 2-3 बार पलटाई करें| ठण्ड से बचाव हेतु एंटी-बायोटिक औषधि दें|
- पशुशाला के अंदर सूखी पत्तियों की मोटी परत बिछा दें व खिड़की-दरवाजों को अच्छी तरह बंद करके रखें|
- ओस/पाला से भीगी घास को धूप में सुखाने के पश्चात चारे के लिए उपयोग करें| हरे चारे के साथ सूखा घास मिलाकर खिलाएं|
- पशुशाला के अंदर हानिकारक कीटाणुओं से बचाव हेतु *कैल्शियम ऑक्साइड* (सफ़ेद चूना) के घोल से पूरे पशुशाला की पुताई करने के साथ-साथ पशु के खुरों पर भी अच्छी तरह लगा दें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

Note: जनपदस्तरीय मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह सप्ताह में मगलवार और शुक्रवार को जारी की जाती है|
SMS हेतु कृषक पंजीकरण: http://imdagrimet.gov.in/farmer/Form.php
जनपदस्तरीय कृषि मौसम सेवा बुलेटिन: http://www.imdagrimet.gov.in/node/3498